उत्तराखंड का मौसम: लुढ़का पारा, पहाड़ी जन जीवन स्थगित

चर्चा में क्यों?

उत्तराखंड के कुछ हिस्सों में बर्फबारी और वर्षा हुई, जिससे मौजूदा शुष्क दौर से राहत मिली और पूरे क्षेत्र में तापमान में गिरावट आई।

- बादल छाये रहने के कारण मसूरी और इसके आसपास के क्षेत्रों में पर्यटकों की संख्या में वृद्धि हुई।

मुख्य बिंदु:

- **भारत मौसम विज्ञान विभाग के** देहरादून स्थित क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, **गढ़वाल हिमालय के ऊपरी इलाकों जैसे** केदारनाथ**, बद्रीनाथ, गंगोत्री, यमुनोत्री और हर्षिल** में पर्याप्त बर्फबारी हुई।
- तलहटी में हल्की वर्षा हुई है जिससे दिन के तापमान में **गिरावट आई है।**

भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD)

- IMD की **स्थापना वर्ष 1875** में हुई थी। यह देश की **राष्ट्रीय मौसम विज्ञान सेवा** है और **मौसम विज्ञान एवं संबद्ध विषयों से संबंधित** सभी मामलों में प्रमुख सरकारी एजेंसी है।
  - यह भारत सरकार के **पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय की एक एजेंसी** के रूप में कार्य करती है।
- इसका **मुख्यालय नई दिल्ली में** है।
- IMD विश्व मौसम विज्ञान संगठन के **छह क्षेत्रीय विशिष्ट मौसम विज्ञान केंद्रों** में से एक है।
- **यमुनोत्री धाम:**
  - स्थान: ज़िला उत्तरकाशी
  - समर्पित: **देवी यमुना**
  - **गंगा नदी के बाद** यमुना नदी **भारत की दूसरी सबसे पवित्र नदी है।**
- **गंगोत्री धाम:**
  - स्थान: ज़िला उत्तरकाशी
  - समर्पित: **देवी गंगा**
  - गंगा नदी सभी भारतीय **नदियों में सबसे पवित्र मानी जाती है।**
- **केदारनाथ धाम:**
  - स्थान: ज़िला रुद्रप्रयाग
  - समर्पित: **भगवान शिव**
  - मंदाकिनी नदी के तट पर स्थित है।
  - भारत में 12 ज्योतिर्लिंगों **(भगवान शिव के दिव्य प्रतिनिधित्व) में से एक।**
- **बद्रीनाथ धाम:**
  - स्थान: ज़िला चमोली
  - पवित्र **बद्रीनारायण मंदिर**
  - समर्पित: **भगवान विष्णु**
  - **वैष्णवों के पवित्र तीर्थस्थलों** में से एक।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/uttarakhand-weather-mercury-dips-hills-jammed